चेतना

विद्यालय दैनिक पत्रिका

गुरुवार

बिहार

19 सितंबर 2024

Thursday

वर्ष : 3

प्रादेशिक संस्करण

शिक्षकों का, शिक्षकों के लिए और शिक्षकों द्वारा प्रकाशित

अंतरराष्ट्रीय बधिरता सप्ताह

संपादकीय

चेतना सत्र

संविधान

अर्धवार्षिक मूल्यांकन 2024 (समय सारणी)

पीएम पोषण योजना

...

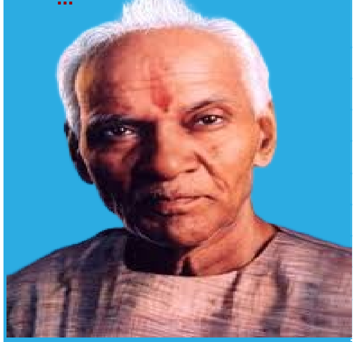

श्रीराम शर्मा आचार्य

जिन्हें वेदमूर्ति तपोनिष्ठ पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य के नाम से भी जाना जाता है, ने विज्ञान को अध्यात्म के साथ संश्लेषित करके मानव चेतना, संस्कृति और सभ्यता को ऊपर उठाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने अखिल विश्व गायत्री परिवार और ब्रह्मवर्चस शोध संस्थान की स्थापना की (१९७९ में)

20 सितम्बर 1911 - 02 जून 1990

की जन्मदिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं।

सितम्बर

सो.	म.	बु.	गु.	शु.	श.	र.
						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29
30						

6-7 तीज

16 हजरत मुहम्मद साहब जन्म दिवस

17 अनंत चतुर्दशी

25 जिउतिया

अनिल कुमार प्रभाकर
प्रधान संपादक

कला एवं प्रबंध संपादक

श्रीमती बबिता कुमारी
शिक्षिका

श्रीमती अध्याशा
शिक्षिका

श्रीमती रिंकु कुमारी
शिक्षिका

मो० फरहान
शिक्षक

श्री मिथुन कुमार राय
शिक्षक

सुश्री नेहा कुमारी
शिक्षिका

श्रीमती सिमरन कुमारी
शिक्षिका

श्रीमती स्निग्धा
शिक्षिका

शैक्षिक पोस्ट नियमावली- 1

सभी शिक्षकों से विनम्र निवेदन

कृपया ध्यान दें कि किसी भी डॉक्युमेंट्री, प्रोजेक्ट कार्य या शैक्षणिक गतिविधियों में **फिल्मी गानों** के स्थान पर शास्त्रीय संगीत अथवा अन्य उपयुक्त संगीत या वीडियो का उपयोग किया जाए। इससे न केवल प्रस्तुतिकरण की गुणवत्ता बढ़ेगी, बल्कि सांस्कृतिक और शैक्षिक महत्व भी उजागर होगा। आपका सहयोग अपेक्षित है।
धन्यवाद।

www.teachersofbihar.org

चेतना टीम
समस्तीपुर
पिन - 848207 (बिहार)
मो. +91 9473119007
Email : chetanastr@gmail.com
https://t.me/TeacherHelpline
https://www.teachersofbihar.org/

नोट : रविवार के दिन खुलने वाले विद्यालय शुक्रवार के दिन प्रकाशित होने वाले चेतना का उपयोग कर सकते हैं।

प्रिय गुरुजन !

आज समाज और देश के सामने सबसे बड़ा प्रश्न है शिक्षा किस लिए दी जाए? विभिन्न मनोवैज्ञानिकों एवं शिक्षा विशारदों ने शिक्षा के विभिन्न उद्देश्य बतलाएँ हैं। किसी विद्वान का मत है कि "विद्या के लिए विद्या" है तो दूसरे विद्वान का मत है कि आजीविका या व्यवसाय के लिए तैयार करना ही शिक्षा का उद्देश्य है। कुछ विद्वानों का मत है कि मनुष्य का शारीरिक, मानसिक, नैतिक तथा अन्य सभी पहलुओं से विकास करना ही शिक्षा का उद्देश्य है। कुछ लोग सच्चरित्र निर्माण को शिक्षा का उद्देश्य मानते हैं।

वैदिक ऋषियों के अनुसार शिक्षा का उद्देश्य है मानव का सर्वांगीण विकास अर्थात मानव जीवन का जो उद्देश्य है उस उद्देश्य तक पहुँचना ही शिक्षा का उद्देश्य होना चाहिए। मानव जीवन का उद्देश्य पुरुषार्थ-मोक्ष। इसके लिए हमें शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक, सामाजिक, राजनीतिक और नैतिक सभी नियमों का ज्ञान होना चाहिए। घर में हम अपने माता-पिता के साथ कैसा व्यवहार करें, समाज में कैसा उत्तम नागरिक बनें, साथियों के साथ कैसे व्यवहार करें, आजीविका के लिए क्या करें, सामाजिक तथा राजनैतिक समस्याओं का क्या हल निकालें। संक्षेप में हर बात में हम पूर्ण हों किसी में अधूरी न रहें, यह वैदिक ऋषियों की शिक्षा का उद्देश्य है। यदि हम अपना सर्वांगीण विकास करते हुए पुरुषार्थ को प्राप्त कर सके, तो हमारी शिक्षा सफल शिक्षा है अन्यथा नहीं।

इसका निष्कर्ष यह है कि शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास और सर्वांगीण विकास का अर्थ है - मानसिक, शारीरिक और रचनात्मक कौशल का विकास। चेतना विद्यालय दैनिक पत्रिका इन उद्देश्यों की पूर्ति के साधनों का एक प्रमुख अंग है। **"चेतना"** विद्यालय दैनिक पत्रिका जहाँ एक ओर बालमन की कोमल भावनाओं के फूटते अंकूर का पोषण करती है वहीं बालमन का पल-पल विकास होते देखकर परम संतोष का अनुभव होता है ठीक वैसे ही जैसे खिलते हुए फूलों को देखकर माली को होता है जो उन्हें सींचता है।

आपकी सर्वाग्रगण्य एवं लोकप्रिय विद्यालय दैनिक पत्रिका **"चेतना"** का आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए हमें हर्ष एवं संतोष की अनुभूति हो रही है, पत्रिका के प्रस्तुत अंक को आपकी आकांक्षाओं के अनुरूप अधिक-से-अधिक उपयोगी बनाने का प्रयास किया गया है। प्रकाशन से संबंधित सभी लोगों के सामूहिक प्रयास एवं सहयोग से यह अंक इतना अधिक उपयोगी बन पाया है।

डॉ० एस० सिद्धार्थ, भा०प्र०से०
अपर मुख्य सचिव
शिक्षा विभाग,
बिहार सरकार

बिहार सरकार

विकास भवन, पटना - 800 015
फोन : 0612 - 2217016 (कार्यालय)
फैक्स : 0612 - 2235108
ई-मेल : secy-edn-bih@nic.in

पत्रांक– 102/गो० पटना, दिनांक– 18/09/2024

सेवा में,
सभी जिला शिक्षा पदाधिकारी,
बिहार।

विषय :– बिहार राज्य के सभी सरकारी विद्यालयों का वर्ष में दो बार रैंकिंग किए जाने के संबंध में।

महाशय,

उपर्युक्त विषय के संबंध में कहना है कि शिक्षा विभाग, बिहार सरकार राज्य के सभी सरकारी विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने एवं विद्यार्थियों के समग्र विकास हेतु प्रतिबद्ध है। इस संबंध में विद्यालयों में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका बच्चों के समग्र विकास को सकारात्मक दिशा प्रदान करती है। विद्यार्थियों के शैक्षणिक उपलब्धि के साथ–साथ उनके सामाजिक एवं भावनात्मक व्यवहार का परिमार्जन आवश्यक है। राज्य के सरकारी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सुनिश्चित करने के लिए विद्यालय एवं शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए शिक्षा विभाग द्वारा सभी विद्यालयों का वर्ष में दो बार क्रमशः **नवम्बर एवं मार्च** में रैंकिंग कराने का निर्णय लिया गया है।

इस संबंध में अधोहस्ताक्षरी के पत्रांक–96/गो0 दिनांक 08.08.2024 द्वारा "शिक्षक मार्ग–दर्शिका" निर्गत किया गया है, जिसमें शिक्षा की गुणवत्ता कैसे उत्कृष्ट हो, इसके लिए विस्तृत दिशा–निर्देश हैं। उसी क्रम में विद्यालयों के रैंकिंग के लिए प्राथमिक/मध्य तथा माध्यमिक/उच्च माध्यमिक विद्यालयों के लिए अलग–अलग रैंकिंग के लिए प्रपत्र तैयार किये गये हैं, जिसमें विद्यालयों में संचालित विभिन्न गतिविधियों यथा–शिक्षण और अधिगम, संसाधन उपयोग, साफ–सफाई, स्वच्छता, शिकायत निवारण, सह–शैक्षणिक गतिविधियाँ इत्यादि के लिए भारांक तय किये गये हैं, जिसका कुल योग 100 है। **उक्त रैंकिंग की प्रविष्टि सभी शिक्षकों के वार्षिक मूल्यांकन प्रतिवेदन में बाध्यकारी रूप से की जाएगी।**

उक्त रैंकिंग प्रपत्र की छाया–प्रति संलग्न करते हुए अनुरोध है कि इसकी प्रति सभी प्रधानाध्यापकों/प्रभारी, प्रधानाध्यापकों को व्यापक प्रचार–प्रसार हेतु वितरित कराना सुनिश्चित करेंगे तथा इस विषय के महत्व एवं संवेदनशीलता के मद्देनजर इसकी प्रति सभी शिक्षकों/प्रधानाध्यापकों/प्रभारी, प्रधानाध्यापकों को उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करें। आशा है कि आप शिक्षा विभाग, बिहार के गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के संकल्प के अनुपालन हेतु सभी यथोचित कार्रवाई करेंगे।

अनु0–यथोक्त (04 पृष्ठ)।

विश्वासभाजन,
18/9/2024
(डॉ0 एस0 सिद्धार्थ)

बिहार में सरकारी प्राथमिक/मध्य विद्यालयों की रैंकिंग रूपरेखा

अवलोकन क्षेत्र	मानक	भारांक
शिक्षण और अधिगम (60)	अर्धवार्षिक परीक्षा / वार्षिक परीक्षा में औसत अंक	20
	मासिक जांच परीक्षा में औसत अंक	10
	पिछले तीन माह में छात्रों की औसत उपस्थिति	10
	पिछले तीन माह में शिक्षकों की औसत उपस्थिति	10
	छात्रों के क्लासवर्क/होमवर्क/वर्कशीट की नियमित जांच	5
	विद्यालय अवधि के उपरांत सहायक कक्षाएं (मिशन दक्ष)	3
	नियमित रूप से शिक्षक-अभिभावक संगोष्ठी का आयोजन	2
साफ-सफाई और स्वच्छता (15)	अच्छी तरह से तैयार (जैसे-कटे नाख़ून, सवरें बाल) एवं साफ-स्वच्छ पोशाकयुक्त छात्र	5
	कक्षा की साफ़-सफ़ाई	2.5
	रसोईघर की साफ-सफाई	2.5
	विद्यालय परिसर की साफ-सफाई	2.5
	शौचालय की साफ-सफाई	2.5
संसाधन उपयोग (12)	सभी नामांकित छात्रों के लिए बेंच-डेस्क की उपलब्धता	2
	नामांकित छात्रों के अनुपात में कक्षा-कक्ष की उपलब्धता	2
	रनिंग वाटर/जलापूर्ति की व्यवस्था एवं ओवरहेड टैंक की कार्यात्मक स्थिति	2
	आईसीटी लैब (प्रयोगशाला) का उपयोग	2

Scanned with OKEN Scanner

बिहार में माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक सरकारी विद्यालयों की रैंकिंग रूपरेखा

अवलोकन क्षेत्र	मानक	भारांक
शिक्षण और अधिगम (55)	अर्धवार्षिक परीक्षा / वार्षिक परीक्षा में औसत अंक	20
	मासिक जांच परीक्षा में औसत अंक	10
	पिछले तीन माह में छात्रों की औसत उपस्थिति	10
	पिछले तीन माह में शिक्षकों की औसत उपस्थिति	10
	विद्यालय अवधि के उपरांत सहायक कक्षाएं (मिशन दक्ष)	3
	नियमित रूप से शिक्षक-अभिभावक संगोष्ठी का आयोजन	2
साफ-सफाई और स्वच्छता (15)	अच्छी तरह से तैयार (जैसे-कटे नाख़ून, सवरें बाल) एवं साफ-स्वच्छ पोशाकयुक्त छात्र	5
	कक्षा की साफ़-सफ़ाई	2.5
	रसोईघर की साफ-सफाई	2.5
	विद्यालय परिसर की साफ-सफाई	2.5
	शौचालय की साफ-सफाई	2.5
संसाधन उपयोग (16)	सभी नामांकित छात्रों के लिए बेंच-डेस्क की उपलब्धता	2
	नामांकित छात्रों के अनुपात में कक्षा-कक्ष की उपलब्धता	2
	रनिंग वाटर/जलापूर्ति की व्यवस्था एवं ओवरहेड टैंक की कार्यात्मक स्थिति	2
	विधुत मीटर एवं सुरक्षित व निर्वाध विद्युत् संचालन की कार्यात्मक स्थिति एवं विपत्र का भुगतान	2
	खेल, कला और संगीत वाद्ययंत्रों की उपलब्धता	2
	आईसीटी लैब (प्रयोगशाला) का उपयोग	2

Scanned with OKEN Scanner

	STEM/विज्ञान लैब (प्रयोगशाला) का उपयोग	2
	पुस्तकालय का उपयोग	2
सह-शैक्षणिक गतिविधियाँ (10)	चेतना सत्र में बच्चों की सक्रिय भागीदारी	2
	योग, व्यायाम और खेल नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं	2
	संगीत, नृत्य, चित्रकला आदि गतिविधियाँ नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं	2
	स्वास्थ्य जांच, आयरन की गोलियां, आंखों की जांच आदि	2
	सांस्कृतिक कार्यक्रम और खेल दिवस के लिए वार्षिक दिवस	2
शिकायत निवारण (3)	कमांड एवं कंट्रोल सेंटर में प्राप्त शिकायतों का समाधान	3
	कुल	100

ग्रेडिंग मैट्रिक्स

ग्रेड	स्कोर रेंज	स्टार रेटिंग
A+	85-100	*****
A	75-84	****
B	50-74	***
C	25-49	**
D	0-24	*

Scanned with OKEN Scanner

चेतना सत्र

चेतना

19 सितंबर 2024 Thursday गुरुवार | वर्ष 03

1. प्रार्थना

प्रार्थना

हे प्रभु ! आनंद दाता !! ज्ञान हमको दीजिये |
शीघ्र सारे दुर्गुणों को दूर हमसे कीजिये || हे प्रभु...
लीजिये हमको शरण में हम सदाचारी बनें |
ब्रह्मचारी धर्मरक्षक वीर व्रतधारी बनें || हे प्रभु...
निंदा किसीकी हम किसीसे भूल कर भी न करें |
ईर्ष्या कभी भी हम किसीसे भूल कर भी न करें || हे प्रभु ....
सत्य बोलें झूठ त्यागें मेल आपस में करें |
दिव्य जीवन हो हमारा यश तेरा गाया करें || हे प्रभु ....
जाये हमारी आयु हे प्रभु ! लोक के उपकार में |
हाथ ड़ालें हम कभी न भूलकर अपकार में || हे प्रभु ....
कीजिये हम पर कृपा ऐसी हे परमात्मा !
मोह मद मत्सर रहित होवे हमारी आत्मा || हे प्रभु ....
प्रेम से हम गुरुजनों की नित्य ही सेवा करें |
प्रेम से हम संस्कृति की नित्य ही सेवा करें || हे प्रभु...
योगविद्या ब्रह्मविद्या हो अधिक प्यारी हमें |
ब्रह्मनिष्ठा प्राप्त करके सर्वहितकारी बनें || हे प्रभु...

अभियान गीत

हो जाओ तैयार साथियों हो जाओ तैयार साथियों,
हो जाओ तैयार,
अर्पित कर दो तन मन धन, मांग रही शिक्षा अर्पण,
शिक्षा के जो काम न आए, तो जीवन बेकार,
हो जाओं तैयार साथियो, हो जाओं तैयार साथियो ,
हो जाओ तैयार ।।
सोचने का समय गया, उठो लिखो इतिहास नया जवाब ,
उजियाले से दे दो तुम दुनिया को जवाब,
दुनिया को साथियों , ।। दुनिया को जवाब ,
हो जाओं तैयार साथियो, हो जाओ तैयार ।।
तूफानी गति रुके नही, पाँव थके पर थमे नही ,
उठे हुए माथे के आगे, ठहर न पाती हार ,
ठहर न पाती हार साथियों, ठहर न पाती हार साथियों ,
हो जाओं तैयार साथियो, हो जाओ तैयार ।।
कांप उठे धरती अम्बर,और उठाओ ऊंचा सर ,
कोटि कोटि कंठों से गूंजे, शिक्षा की जयकार ,
हो जाओं तैयार साथियो, हो जाओ तैयार ।।.

बिहार राज्य प्रार्थना

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे
वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे
मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे
इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ
हौसला ऐसा हीं दे गंग जमन नाज करे
आधे रस्ते पे न रूक जाये मुसाफिर के कदम
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे
दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे
जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय बिहार

- एम. आर. चिश्ती

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार, तुझको शत-शत वंदन बिहार
तू वाल्मीकि की रामायण, तू वैशाली का लोकतंत्र
तू बोधिसत्व की करूणा है, तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप, तू हीं अक्षत चंदन बिहार
तू है अशोक की धर्मध्वजा, तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह, तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि, धरती का नंदन वन बिहार
तेरी गौरव गाथा अपूर्व, तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान, अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक,
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार,
मेरे भारत के कंठहार

- सत्यनारायण

2. आज का विचार

बुद्धिमान दोस्त ही जीवन का सबसे बड़ा वरदान है।

3. शब्द ज्ञान

English		
ENCOURAGE	*इनकरेज*	प्रोत्साहित करना
ENTER	*एंटर*	प्रवेश करना
EXPLOIT	*एक्सप्लॉइट*	शोषण करना
ENJOY	*एंजॉय*	आनंद मनाना
ESTABLISH	*एस्टेब्लिश*	स्थापित करना

हिन्दी	
चेष्टा	कोशिश
अभिलाषा	इच्छा
संरक्षण	देखरेख
पथिक	राहगीर
विस्मित	हैरान

संस्कृत	
अज:	बकरा
वृक:	भेड़िय
नाम्ना	नाम से
गवाक्ष:	खिड़की
प्रक्षिप्तम्	बिखरा

اردو (उर्दू)		
وانی	*Waani*	पुरा
واقعی	*Waqaee*	ठीक
واقف	*Waaqif*	जानकार
والد	*Walid*	पिता
والدہ	*Walidaah*	माता

4. दिवस ज्ञान

अंतरराष्ट्रीय बधिरता सप्ताह

5. सामान्य ज्ञान-विज्ञान

1. नालंदा विश्वविद्यालय किसका अंतराष्ट्रीय केंद्र था?	:	ज्ञान–विज्ञान
2. गौतम बुध को ज्ञान की प्राप्ति कहां प्राप्त हुई थी ?	:	बोधगया
3. एस. आई. मात्रक में लंबाई का मात्रक क्या हैं?	:	मीटर
4. जल को वाष्प में बदलने की क्रिया को क्या कहते हैं?	:	वाष्पीकरण
5. वायु में ऑक्सीजन की मात्रा कितनी हैं?	:	0.21

6. तर्क ज्ञान

1. सुबह चोर अपनी छड़ी लेकर खुशी-खुशी राजा के यहां पहुंचा. इस वाक्य में क्रिया शब्द कौन है?	:	पहुंचा
2. मिनट की सुई एक समकोण बनाने के लिए कितना समय लेता है?	:	15 मिनट
3. कौन सा फूल जल में ही उगता है?	:	कमल
4. किस उम्र तक के बालकों से श्रम नहीं करवा सकते हैं?	:	14 वर्ष
5. वायु प्रदूषण से किस रोग की होने की संभावना अधिक होती है? कैंसर ,मलेरिया , श्वास संबंधी रोग ,हैजा,	:	श्वास संबंधी रोग

7. पर्यायवाची शब्द

1. सरस्वती	:	वीणा ,शारदा, भारती
2. संसार	:	जग, विश्व ,जगत
3. ईश्वर	:	भगवान,परमेश्वर,परमात्मा
4. अमृत	:	सुधा, पीयूष ,सोम
5. कोमल	:	नरम, मुलायम ,सौम्या

8. प्रेरक प्रसंग

अनसुनी बुराई

एक बार स्वामी विवेकानंद रेल से कही जा रहे थे | वह जिस डिब्बे में सफर कर रहे थे, उसी डिब्बे में कुछ अंग्रेज यात्री भी थे | उन अंग्रेजो को साधुओं से बहुत चिढ़ थी | वे साधुओं की भर – पेट निंदा कर रहे थे | साथ वाले साधु यात्री को भी गाली दे रहे थे | उनकी सोच थी कि चूँकि साधू अंग्रेजी नहीं जानते, इसलिए उन अंग्रेजों की बातों को नहीं समझ रहे होंगे | इसलिए उन अंग्रेजो ने आपसी बातचीत में साधुओं को कई बार भला – बुरा कहा | हालांकि उन दिनों की हकीकत भी थी कि अंग्रेजी जानने वाले साधु होते भी नहीं थे |

रास्ते में एक बड़ा स्टेशन आया | उस स्टेशन पर विवेकानंद के स्वागत में हजारों लोग उपस्थित थे, जिनमे विद्वान् एवं अधिकारी भी थे | यहाँ उपस्थित लोगों को सम्बोधित करने के बाद अंग्रेजी में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर स्वामीजी अंग्रेजी में ही दे रहे थे | इतनी अच्छी अंग्रेजी बोलते देखकर उन अंग्रेज यात्रियों को सांप सूंघ गया , जो रेल में उनकी बुराई कर रहे थे | अवसर मिलने पर वे विवेकानंद के पास आये और उनसे नम्रतापूर्वक पूछा – आपने हम लोगों की बात सुनी | आपने बुरा माना होगा ?

स्वामीजी ने सहज शालीनता से कहा – ” मेरा मस्तिष्क अपने ही कार्यों में इतना अधिक व्यस्त था कि आप लोगों की बात सुनी भी पर उन पर ध्यान देने और उनका बुरा मानने का अवसर ही नहीं मिला |” स्वामीजी की यह जवाब सुनकर अंग्रेजो का सिर शर्म से झुक गया और उन्होंने चरणों में झुककर उनकी शिष्यता स्वीकार कर ली |

कहानी से सीख Moral of Story on

इस शिक्षाप्रद कहानी से सीख मिलती है कि हमें सदैव अपने लक्ष्य पर फोकस करना चाहिए |

संविधान

राष्ट्र-गान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत भाग्य विधाता ।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्राविड़-उत्कल-बंग
विंध्य हिमाचल यमुना गंगा
उच्छल जलधि तरंग
तव शुभ नामे जागे, तव शुभ आशिष मांगे
गाहे तव जय-गाथा ।
जन-गण-मंगलदायक जय हे भारत भाग्य विधाता ।
जय हे, जय हे, जय हे, जय जय जय जय हे ।

- रविन्द्रनाथ टैगोर

राष्ट्रीय गीत

वंदे मातरम्, वंदे मातरम्!
सुजलाम्, सुफलाम्, मलयज शीतलाम्,
शस्यश्यामलाम्, मातरम्!
वंदे मातरम्!
शुभ्रज्योत्स्नाम् पुलकितयामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदल शोभिनीम्,
सुहासिनीम् सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदाम् वरदाम्, मातरम्!
वंदे मातरम्, वंदे मातरम्॥

- बंकिमचन्द्र चटर्जी

मौलिक अधिकार

1. *समता का अधिकार (अनुच्छेद 14-18)*
2. *स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 19-22)*
3. *शोषण के विरुद्ध अधिकार (अनुच्छेद 23-24)*
4. *धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 25-28)*
5. *संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकार (अनुच्छेद 29-30)*
6. *संवैधानिक उपचारों का अधिकार (अनुच्छेद 32)*

संविधान में उपबंधित मौलिक कर्तव्य

1. *संविधान का पालन करना और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज एवं राष्ट्र गान का आदर करना।*
2. *स्वतंत्रता के लिये हमारे राष्ट्रीय संघर्ष को प्रेरित करने वाले महान आदर्शों का पालन करना।*
3. *भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को बनाए रखना और उसकी रक्षा करना।*
4. *देश की रक्षा करना और आह्वान किये जाने पर राष्ट्र की सेवा करना।*
5. *भारत के लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करना जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग आधारित सभी प्रकार के भेदभाव से परे हो। साथ ही ऐसी प्रथाओं का त्याग करना जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं।*
6. *हमारी समग्र संस्कृति की समृद्ध विरासत को महत्त्व देना और संरक्षित करना।*
7. *वनों, झीलों, नदियों और वन्यजीवन सहित प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा एवं सुधार करना और प्राणिमात्र के लिए दयाभाव रखना।*
8. *मानवतावाद, वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा ज्ञानार्जन एवं सुधार की भावना का विकास करना।*
9. *सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा करना एवं हिंसा से दूर रहना।*
10. *व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधि के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता के लिये प्रयास करना ताकि राष्ट्र लगातार उच्च स्तर की उपलब्धि हासिल करे।*
11. *6 से 14 वर्ष तक के आयु के अपने बच्चों को शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराना। (86वें संविधान द्वारा जोड़ा गया)*

भारत के संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :
सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय,
विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म
और उपासना की स्वतंत्रता,
प्रतिष्ठा और अवसर की समता,
प्राप्त कराने के लिए,
तथा उन सब में, व्यक्ति की गरिमा और
राष्ट्र की एकता और अखण्डता
सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए
दृढ़ संकल्पित होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर 1949 ईस्वी (मिति मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

अर्धवार्षिक मूल्यांकन 2024

प्रारंभिक विद्यालय में अध्ययनरत वर्ग I एवं VIII के सभी छात्र - छात्राओं की अर्द्धवार्षिक मूल्यांकन 2024 निम्न तालिका के अनुसार संपादित की जाएगी

तिथि	प्रथम पाली समय 10.00 पूर्वा0 से 12.00 अप0	द्वितीय पाली समय 01.00 अप0 से 03.00 अप0
18.09.2024 (बुधवार)	पर्यावरण अध्ययन/सामाजिक विज्ञान (कक्षा III-VIII के लिए)	विज्ञान (कक्षा VI-VIII से के लिए)
19.09.2024 (गुरूवार)	राष्ट्रभाषा हिन्दी (कक्षा III-VIII के लिए)	संस्कृत (कक्षा VI-VIII से के लिए)
20.09.2024 (शुक्रवार)	भाषा (हिन्दी/उर्दू) (कक्षा I एवं II के लिए मौखिक परीक्षा) (मकतब/मदरसा विद्यालयों को छोड़कर सभी विद्यालयों के लिए)	सह–शैक्षिक गतिविधियाँ का अवलोकन (मकतब/मदरसा विद्यालयों को छोडकर सभी विद्यालयों के लिए)
21.09.2024 (शनिवार)	भाषा (हिन्दी/उर्दू) (कक्षा III से V के लिए)	भाषा (हिन्दी/उर्दू) (कक्षा VI से VIII के लिए)
22.09.2024 (रविवार)	भाषा (हिन्दी/उर्दू) (कक्षा I एवं II के लिए मौखिक परीक्षा) (मकतब/मदरसा विद्यालयों के लिए)	सह–शैक्षिक गतिविधियाँ का अवलोकन (मकतब/मदरसा विद्यालयों के लिए)
23.09.2024 (सोमवार)	अंग्रेजी (कक्षा III-V के लिए)	अंग्रेजी (कक्षा VI-VIII से के लिए)
24.09.2024 (मंगलवार)	गणित (कक्षा III-V के लिए)	गणित (कक्षा VI-VIII से के लिए)
25.09.2024 (बुधवार)	अंग्रेजी (कक्षा I एवं II के लिए मौखिक परीक्षा)	
26.09.2024 (गुरूवार)	गणित (कक्षा I एवं II के लिए मौखिक परीक्षा)	

पीएम पोषण योजना का मेनू : -

दिनांक	दिन	प्रस्तावित मीनू
19 सितंबर 2024	गुरुवार	चावल + मिश्रित दाल + हरी सब्जी

पीएम पोषण योजना :-

बच्चों को अपने जीवन, भोजन, शिक्षा तथा विकास का अधिकार है। इस अधिकार की प्राप्ति बच्चे करें एवं उन्हें इसके उचित अवसर मिलें, यह राज्य का दायित्व है। भारतीय संविधान की धारा 21A के अंतर्गत 6 से 14 आयुवर्ग के सभी बच्चों को नि:शुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का मौलिक अधिकार प्रदत्त है। प्रारंभिक शिक्षा के सर्वव्यापीकरण में मदद करने के उद्देश्य से सभी प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों में पीएम पोषण योजना उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया है। इस योजना का लाभ निम्नवत है :-

- > ***बच्चों को पौष्टिक आहार एवं स्वास्थ्य की प्राप्ति।***
- > ***बच्चों के शैक्षिक स्तर में वृद्धि।***
- > ***बच्चों के बीच सामाजिक समता।***
- > ***बच्चों की सीखने की क्षमता एवं आत्मसम्मान के स्तर को बढ़ाना।***
- > ***बच्चों के छीजन में कमी।***
- > ***नामांकन एवं उपस्थिति में निरंतर बढ़ोतरी।***
- > ***बच्चों के ठहराव, अधिगम एवं एकाग्रता सुनिश्चित करने में मदद।***

परिवर्तन मूल्य की नई दर की विवरणी (01-10-2022 से प्रभावित)

कक्षा 01 से 05 के लिए			
सामग्री	वजन प्रति छात्र	दर प्रति किलो	मूल्य प्रति छात्र
दाल	20 Gram	103.00	2.06
सब्जी	50 Gram	22.00	1.10
तेल	5 Gram	121.00	0.60
मसाला / नमक	स्वादुनसार		0.49
जलावन	100 Gram	12.00	1.20
		कुल =	**5.45**

कक्षा 06 से 08 के लिए			
सामग्री	वजन प्रति छात्र	दर प्रति किलो	मूल्य प्रति छात्र
दाल	30 Gram	103.00	3.09
सब्जी	75 Gram	22.00	1.65
तेल	7.5 Gram	121.00	0.90
मसाला / नमक	स्वादुनसार		0.73
जलावन	150 Gram	12.00	1.80
		कुल =	**8.17**

साप्ताहिक मेनू

क्र.	दिन	मेनू
1.	सोमवार	चावल + मिश्रित दाल + हरी सब्जी
2.	मंगलवार	जीरा चावल + सोयाबीन + आलू की सब्जी
3.	बुधवार	खिचड़ी (हरि सब्जी युक्त) + चोखा + केला / मौसमी फल
4.	गुरुवार	चावल + मिश्रित दाल + हरी सब्जी
5.	शुक्रवार	पुलाव + काबुली चना + लाल चना का छोला + हरा सलाद + उबला अंडा / मौसमी फल
6.	शनिवार	खिचड़ी (हरि सब्जी युक्त) + चोखा + केला / मौसमी फल

चेतना

टीचर्स ऑफ़ बिहार
समस्तीपुर
पिन - 848207 (बिहार)

Mobile : 9473119007
7250818080
email : chetanastr@gmail.com
Website : www.teachersofbihar.org

Follow Us

@teachersofbihar
@teachersofbihar
@teachersofbihar
@teachersofbihar
@teachersofbihar